



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)  
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 58] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 13, 1994/भाद्र 22, 1916

No. 58] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 13, 1994/BHADRA 22, 1916

भारत निवाचन आयोग

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1994

ग्रा.ग्र. 118(प्र) :—1. यतः लोक प्रतिनिवित्र ग्रन्थिधियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13फ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत निवाचन आयोग ने गुजरात की सरकार के परामर्श से, श्री अशोक नारायण, आई.ए.एस. को उनके कार्यभार संभालने की तारीख में और अगले आदेशों तक, गुजरात राज्य के लिये मुख्य निवाचन अधिकारी के रूप में नामित किया था;

2. और यतः, श्री अशोक नारायण ने तारीख 1 फरवरी, 1993 (अपराह्न) को मुख्य निवाचन अधिकारी, गुजरात के रूप में कार्यभार सभाल लिया था जैसा कि तारीख 1 फरवरी, 1993 के गुजरात सरकार के संदेश सं. ए.आई.एस.-3585-56 जी में बताया गया;

3. और यतः, अठारह महीने से अधिक को अवधि होने पर, जब श्री अशोक नारायण मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्य करते रहे, आयोग ने यह पाया कि उनका निष्पादन, कार्य की अपेक्षाओं के अनुसूचि नहीं हैं;

4. और यतः, आयोग की यह राय है कि श्री अशोक नारायण का ऐसे समय पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में बने रहना, जब साधारण निर्वाचन जल्दी और 15-03-1995 को वर्तमान विधानसभा की समाप्ति की अवधि से पहले समय पर होने हैं, गुजरात में निविष्ट और संव्यवस्थित निर्वाचन कराने के लिये हानिकारक होगा।

5. अतः, अब, संविधान के अनुच्छेद 324, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13क और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20 द्वारा प्रबल शक्तियों और इस निमित उसे समर्य बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग ने यह निदेश दिया है कि श्री अशोक नारायण तत्काल प्रभाव में गुजरात राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नहीं रहे हैं।

[सं. 154/गुज./94]

आदेश से और भारत निर्वाचन आयोग के नाम से  
के.पी.जी. कुट्टी, सचिव

### ELECTION COMMISSION OF INDIA NOTIFICATION

New Delhi, the 13th September, 1994

O.N. 118(E).—1. Whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13-A of the Representation of the People Act, 1960 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Gujarat, had nominated Shri Ashok Narayan, IAS as Chief Electoral Officer for the State of Gujarat with effect from the date he took over charge and until further orders ;

2. And whereas, Shri Ashok Narayan assumed charge as Chief Electoral Officer, Gujarat on 1st February, 1993 (AM) as communicated vide message from Gujarat Government No. AIS-3588-56-G, dated 1st February, 1993;

3. And whereas, over this period of over eighteen months when Shri Ashok Narayan has been working as Chief Electoral Officer, the Commission has observed that his performance has not been measured upto the requirements of the work ;

4. And whereas, the Commission is of the considered opinion that the continuance of Shri Ashok Narayan as Chief Electoral Officer at a time when a General Election is to be held early and in time before the term of the present

Assembly expires on 15-03-1995 will be detrimental to the holding of smooth and orderly elections in Gujarat;

5. Now, therefore, in exercise of the powers conferred on it under Article 324 of the Constitution, Section 13A of the Representation of the People Act, 1950, Section 20 of the Representation of the People Act, 1951 and all other powers enabling it in this behalf, the Election Commission has directed that Shri Ashok Narayan cease to be the Chief Electoral Officer of the State of Gujarat with immediate effect.

[No. 154/GJ/94]

By Order and in the name of the  
Election Commission of India

K. P. G. KUTTY, Secy.

